

سیدتی

سیدتی أرانی بین یدیکِ
ما زلت أأبو كالأطفال
تتوه وتتلعثم خطايا إلیكِ
كأنما الوصول إلیكِ محال
سیدتی تنادیني عینكِ
جزیرة أنتِ وأنا رحال
شراعی أمل أراه بمقلتكِ
یقودني الحنین بالوصول
ألیس الفجر بین كفیکِ!
ونكران الفجر من الضلال

الشمس على ثغر شفّتكِ
وهل بشروقها أي جدال!
سيدتي أمطري حنانكِ
عسانا نلتقي ولو بالخيال